About Us

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत और प्राच्य विद्या संस्थान में 3 मई सन् 1994 को गुरू जम्भेश्वर जी के नाम से एक विद्यापीठ की स्थापन्ना की गई। तदुपरांत विद्यापीठ के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के विस्तृत एवं व्यापक अनुसंधान की परियोजना तैयार करने के लिये अनेक प्राच्यविद्या संस्थानों के विद्वानें विचारकों और अकादमियों के संस्थपकों से विचार विमर्श किया गया। और यह निर्णय लिया गया है कि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्नात्तकोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र हिसार में एक गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन केन्द्र की स्थापन्ना की जाये। क्योंकि हरियाणा में कोई धार्मिक संकाय एवं संस्थान नहीं है। इसलिये विश्व के सभी धर्मों का तुलनात्मक अनुसंधान करने के लिये इस संस्थान की प्रतिस्थापन्ना कीं हरियाणा का एकमात्र धार्मिक संस्थान है जिसमें धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन एवं अनुसंधान होता है। गुरू जम्भेश्वर जी मूल सिद्धान्तों पर आधारित धर्म और पर्यावरण की पृष्ठभूमि के आधार पर इस

विश्वविद्यालय की स्थापन्ना की गयी।